>

Title: Need to take steps for irrigation development in Godda in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): महोदय, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से झारखण्ड की जो त्रासदी है और भगवान भरोसे यह राज्य चल रहा है, उसके बारे में सदन और सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। चूंकि वहां विधान सभा नहीं है और अभी गर्मियों के दिन आने वाले हैं, वहां पीने के पानी की बड़ी किल्लत है। न सिंचाई के लिए पानी है, न लोगों को पीने के लिए पानी है और न ही जानवरों के पीने के लिए पानी है और सिंचाई की कोई सुविधा नहीं है।

महोदय, झारखण्ड के साथ यह त्रासदी है कि वर्ष 1841 से लेकर वर्ष 2013 तक यह देखा गया है कि प्रत्येक दो साल वहां सुखाड़ आता है और एक साल वहां बारिश होती है। इसका मतलब यह है कि तीसरे साल जब बारिश होगी, तभी आप पानी कलेक्ट कर सकते हैं, जिससे इरीगेशन के लिए पानी मिलेगा, जिससे वहां पीने के लिए पानी मिलेगा। पूरा का पूरा जो झारखण्ड है, चूंकि वहां माइन्स और मिनरल्स हैं, केवल दस प्रतिशत खेती जो है, वह इरीगेटिड है, इरीगेटिड लैंड है, 90 परसेंट खेती में इरीगेशन की कोई सुविधा नहीं है। ड्राई ज़ोन इतना बड़ा है कि 200 फीट, 300 फीट या 1000 फीट तक आप खुदाई करेंगे तो भी लोगों को पानी नहीं मिलता है। वहाँ आर्सेनिक वॉटर है, वहाँ मिनिरल्स हैं, माइन्स हैं। मेरा आपके माध्यम से यह आग्रह है कि केन्द्र सरकार और प्रधान मंत्री इस पर ध्यान दें, वहाँ वॉटर मैनेजमैंट करें और इरीगेशन का पानी तथा लोगों को पीने का पानी और जानवरों के लिए पानी कैसे मिलेगा, इसकी सुविधा और उपाय करें।